जगद्गुरुरामानन्दाचार्यराजस्थानसंस्कृतविश्वविद्यालय
मदाऊ, भांकरोटा, जयपुर–302026 (राजस्थान)

सामान्य दिशा निर्देशिका

प्री–शिक्षाचार्य परीक्षा (पी.एस.ए.टी.) –2021

संरक्षक
डॉ. अनुला मौर्य
कुलपति

समन्वयक
सुरेन्द्र सिंह यादव
कुलसचिव

सह–समन्वयक
डॉ. कुलदीप सिंह
सहायक आचार्य

डॉ. माताप्रसाद शर्मा
संकायाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र
जरारासंविवि, जयपुर

सह–समन्वयक
जे0 एन0 विजय
सहायक कुलसचिव

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय
ग्राम–मदाऊ, पोस्ट–भांकरोटा, जयपुर–302026 (राजस्थान)

हेल्पलाईन नम्बर :–8005723429

इन्टरनेट वैबसाईट
www.jrrsanskrituniversity.ac.in

प्री–शिक्षाचार्य प्रवेश परीक्षा 2021 से संबंधित मुख्य तिथियाँ

रजिस्ट्रेशन की दिनांक	15.07.2021
ऑन लाईन आवेदन भरने की दिनांक	15.07.2021 से 12.08.2021 तक

पात्रता:–शिक्षाशास्त्री / बी.एड. (संस्कृत शिक्षण विषय सहित), सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक, अ.जा., अनु.जनजाति, ओ.बी.सी., टीएसपी, एसबीसी एवं विकलांग लिए 50 प्रतिशत

आवेदन प्रक्रिया:– आवेदन पत्र वेबसाईट www.jrrsanskrituniversity.ac.in के माध्यम से ऑन लाईन भरे जायेंगें। अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने से पूर्व वेबसाइट पर प्रदत्त दिशा–निर्देशों को भली भाँति पढ़ लेवें।

परीक्षा शुल्क :– अभ्यर्थी परीक्षा शुल्क राशि 500/– (पाँच सौ रूपये मात्र) वेबसाइट के माध्यम से ऑन लाईन जमा करवा सकेंगें। आवेदन शुल्क जमा करवाने के पश्चात् भी यदि आवेदन पत्र का प्रिन्ट नहीं निकलता है तो निर्धारित अवधि में हैल्पलाईन नम्बर 8005723429 पर सम्पर्क करें।

ऑनलाईन आवेदन पत्र– ऑनलाईन आवेदन पत्र अत्यन्त सावधानी पूर्वक भर कर उसका प्रिन्ट लें एवं परीक्षा आवेदन पत्र की हार्ड प्रति एवं आवश्यक प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रति अपने पास सुरक्षित संभाल कर रख लें जिन्हें काउंसलिंग के उपरान्त विश्वविद्यालय में प्रवेश के समय जमा करवाना आवश्यक है। परीक्षा केन्द्र आवंटन में समन्वयक पीएसएटी परीक्षा 2021 का निर्णय अंतिम होगा।

नोट– परीक्षार्थी अपना मोबाईल नम्बर सही भरें ताकि परीक्षा संबंधित सूचना एस.एम.एस. (SMS) के माध्यम से संबंधित मोबाईल नम्बर पर यथासंभव दी जा सके। आवेदक अपना पत्र व्यवहार का पूर्ण पता मय पिनकोड के आवेदन पत्र में सही अंकित करें ताकि आवश्यकतानुसार पत्राचार किया जा सकें। ऑनलाइन आवेदन पत्र को पूर्ण रूप से भरकर ऑनलाइन ही जमा (submit) करें तथा इनकी प्रिन्ट प्रतियाँ प्राप्त कर छात्र स्वयं के पास सुरक्षित रखे। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे समय–समय पर निर्धारित वेबसाइट का अवलोकन करें। किसी भी प्रकार के संशोधन हेतु पृथक से विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया जायेगा। प्रवेश के संदर्भ में राज्य सरकार व राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.) द्वारा समय–समय पर जारी आदेश तथा निर्देश लागू होगें।

सत्र 2021–22 में दो वर्षीय शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम में प्रवेश देने हेतु प्री–शिक्षाचार्य प्रवेश परीक्षा 2021 को आयोजित करने के लिए राजस्थान सरकार शिक्षा (ग्रुप–6) विभाग के आदेश क्रमांक प18(1)शिक्षा–6/2016, जयपुर दिनांक 15.02.2021 के अनुसार जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर को अधिकृत किया गया है।

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय,

ग्राम–मदाऊ, पोस्ट–भांकरोटा, जयपुर–302026

विश्वविद्यालय एक परिचय

स्थापनाः–

सम्पूर्ण संस्कृत वाङ्मय के सांगोपांग अध्ययन–अध्यापन के साथ–साथ उसमें निहित ज्ञान–विज्ञान को विशेषज्ञीय अनुसंधान द्वारा प्रकाश में, लाने संस्कृत को अद्यतन विज्ञान के साथ शोधपरक विश्लेषण के द्वारा प्रायोगिक रूप से समाजोपयोगी बनाने, वैदिक वाङ्मय में अन्तर्निहित लौकिक–अलौकिक तथा पारलौकिक विशिष्ट ज्ञान–विज्ञान को अनुसंधानपरक वैज्ञानिक विधियों से व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत करने, संस्कृत शिक्षा को एक नई दिशा प्रदान करने के उद्देश्यों से राजस्थान–संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 1998 पारित कर राजस्थान सरकार ने संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना की है।

दिनांक 6 फरवरी, 2001 को राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय का विधिवत् शुभारम्भ हुआ जिसके प्रथम कुलपति पद्मश्री डॉ. मण्डन मिश्र रहे। वर्तमान में जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अनुला मौर्य हैं।

विश्वविद्यालय परिसर :–

राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध 79.55 हैक्टर (लगभग तीन सौ बीघा) भूमि में संस्कृत विश्वविद्यालय अवस्थित है। विश्वविद्यालय को प्रातः स्मरणीय ब्रह्मपीठाधीश्वर संत शिरोमणि श्री नारायणदास जी महाराज त्रिवेणीधाम के शुभाशीर्वाद, से प्रशासनिक भवन, 6 संकाय भवन, कुलपति आवास, कुलसचिव आवास, विशाल पुस्तकालय भवन, शोधशाला, छात्र व छात्राओं के पृथक–पृथक छात्रावास, अतिथिगृह अधिकारी व कर्मचारी आवास, सुपर मार्केट, बैंक, पोस्ट ऑफिस आदि निर्मित हैं जो भारतीय, विशेषतः जयपुर की वास्तुकला के अनुरूप बनाये गये हैं। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान से ओपन एयर थियेटर, राजस्थान मन्त्र प्रतिष्ठान, योग केन्द्र, सभागार आदि के निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं।

संस्कृत विश्वविद्यालय में शास्त्री, आचार्य, संयुक्ताचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य, विद्यानिधि, विद्यावारिधि, योग विज्ञान शास्त्री (B.A./B.Sc.), योग विज्ञान आचार्य (M.A./M.Sc), योग चिकित्सा स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDYT) एक वर्षीय योग, प्रशिक्षक प्रमाण पत्र (YIC) त्रैमासिक, कर्मकाण्ड एवं पौरोहित्य एक वर्षीय, ज्योतिष एवं वास्तु प्रमाण पत्र डिप्लोमा एक वर्षीय, पीजीडीसीए स्नातकोत्तर डिप्लोमा एक वर्षीय उपाधियों आदि के अध्ययन–अध्यापन की व्यवस्था के साथ–साथ गहन अनुसंधान एवं शोध को गति और दिशा देने के उद्देश्य से 8 अध्ययन पीठों की भी स्थापना की गई है।

विश्वविद्यालय में सम्प्रति निम्नलिखित 6 संकायों के अधीन विभिन्न उपाधियों हेतु अध्ययन व्यवस्था है :–

1.	वेद वेदांग संकाय	2.	दर्शन संकाय	3.	शिक्षा संकाय
4	आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय	5.	साहित्य एवं संस्कृति संकाय	6	श्रमणविद्या संकाय

शिक्षा–संकाय :–

विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्री (बी.एड), शिक्षाचार्य (एम.एड), विद्यानिधि (एम.फिल) एवं विद्यावारिधि (पीएच.डी) के पाठ्यक्रम संचालित हैं। वर्तमान में शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम बिश्वविद्यालय से सम्बद्ध 79 शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में संचालित हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में सत्र 2006–07 से शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम

और विद्यानिधि शिक्षा (एम. फिल) पाठ्यक्रम तथा सत्र 2007–08 से शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम संचालित है। शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में पी.एस.एस.टी. द्वारा मेरिट के आधार पर प्रवेश होता है। विद्यानिधि शिक्षा (एम.फिल) तथा विद्यावारिधि शिक्षा (पीएच.डी) उपाधि में प्रवेश एनसीटीई/यू.जी.सी./राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्डों के आधार पर तथा शिक्षाचार्य (एम.एड.) में पीएसएटी द्वारा मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाता है।

शिक्षाचार्य :–

राज्य सरकार के निर्णयानुसार सत्र 2007–08 से शिक्षाचार्य कक्षा में प्री–शिक्षाचार्य टेस्ट के मेरिट के आधार पर प्रेवश दिया जा रहा है। एनसीटीई के निर्देशानुसार सत्र 2016–17 से शिक्षाचार्य (एम.एड के समतुल्य) पाठ्यक्रम दो वर्षीय एवं चार सेमेस्टर्स के है। **यह पाठ्यक्रम केवल विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में संचालित है** एवं इसमें *कुल 50 स्थान हैं।* शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम के अध्ययन–अध्यापन एवं परीक्षा का माध्यम संस्कृत है।

प्री–शिक्षाचार्य टेस्ट, 2021
महत्वपूर्ण निर्देश

1. **शिक्षाचार्य प्रवेश परीक्षा हेतु मार्गदर्शन :–**

- शिक्षाचार्य प्रवेश परीक्षा में तीन घण्टे की अवधि का एक प्रश्नपत्र होगा।
- **प्रश्न पत्र में 200 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होगें और सभी प्रश्नों के चार बहुविकल्पात्मक उत्तर होंगे।**
- अभ्यर्थी दिये गये विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन सही उत्तर के रूप में करेगा।
- सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1–1 अंकों के होंगे तथा नकारात्मक अंकन नहीं होगा।
- प्रश्नपत्र संस्कृत माध्यम में होगा।
- प्रश्नपत्र के पॉच भाग होगें, प्रत्येक भाग 40 अंकों का होगा। प्रश्न पत्र कुल 200 अंकों का होगा।

2. **पाठ्य बिन्दु :–**

शिक्षा के सामाजिक–दार्शनिक आधार– 40 अंक

शिक्षा का अर्थ, उद्देश्य, प्रकार,, शिक्षा दर्शन, समाज और शिक्षा, मूल्य शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, शिक्षा के राष्ट्रीय लक्ष्य एवं मानवाधिकार।

शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार– 40 अंक

शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ एवं आवश्यकता, बालक की वृद्धि एवं विकास, अधिगम, अधिगम के सिद्धान्त, बुद्धिलब्धि, व्यक्तित्व एवं विशिष्ट बालक।

शिक्षा इतिहास, समस्याएं, प्रबन्धन एवं शैक्षिक तकनीकी– 40 अंक

विविध कालों में शिक्षा, शिक्षा की समस्याएं, शिक्षा के विविध आयोग, विद्यालय प्रबन्धन एवं शैक्षिक तकनीकी।

संस्कृत विषयज्ञानम्– 40 अंक

शब्दरूपाणि, धातुरूपाणि, सन्धिः, समासः, कारकम्, स्त्रीप्रत्ययः, शतृशानचादयः प्रत्ययाः, कृत्तद्धितप्रत्ययाः, संस्कृतसाहित्यम्।

संस्कृतशिक्षणाधिगम :– 40 अंक

भाषाकौशलानि, शिक्षायाः विविध–आयोगाः, संस्कृतशिक्षणविधयः, संस्कृतशिक्षकस्य गुणाः संस्कृतशिक्षणसमस्याः, दृश्यश्रव्योपकरणानि, आदर्शसंस्कृतपाठयोजनाः, मूल्यांकनम्, संस्कृतशिक्षणस्य महत्त्वम्, संस्कृते समसामयिकाः अंशाः, संस्कृतशिक्षणेतिहासः।

12/3/2021